वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) वर्ष 1993-94, 1994-95 और चालू वर्ष के पहले छः महीनों (अप्रैल-सितम्बर) जिसके विदेश व्यापार के आंकड़े उपलब्ध हैं, के दौरान आयात-निर्यात का निष्पादन निम्नलिखित है:—

(मिलियन अमरीकी डालर)

	निर्यात	आयात
1993-94	22237	23306
1994-95	26330	28654
1995-96 (अप्रैल-सितम्बर)	14685	17065

अन०=अनन्तिम

(ख) से (घ) चालू वर्ष (1995-96) में निर्यात लक्ष्य में अमरीकी डालर के रूप में लगभग 20% वृद्धि का संकेत है। आयात के लिये कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जाता है। निर्यात संवर्धन एक सतत् प्रक्रिया है और व्यापारी, उद्योग तथा अन्य संबंधित संस्थानों के परामर्श से निर्यात बढ़ाने के उपाय किये जाते हैं। सरकार नीति और क्रियाविधियों को निर्यात के अनुकूल बनाने का प्रयास कर रही है। निर्यात के सवंर्धन के लिये किये गए उपायों में निम्नलिखित उपायों का उल्लेख किया जा सकता है। निर्यात आयात-नीति और क्रियाविधियों का सरलीकरण, निर्यात उत्पादन बढ़ाना, कार्य कुशलता तथा प्रतिस्पर्धात्मकताओं में वृद्धि करना, गुणवत्ता सुधार और तकनीकी अन्नयन पर बल देना, बुनियादी सुविधाओं में सुधार तथा निर्यात संवर्धन में राज्य सरकारों को सक्रिय रूप से भागीदार बनाना। चालू वर्ष में एक वार्षिक कार्य योजना तैयार की गई जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निर्यात संवर्धन के लिये वस्तु विशिष्ट एवं देश विशिष्ट उपाय शामिल हैं। आयात आवश्यकतानुसार किये जाते हैं।

कोयला उत्पादन का लक्ष्य

755. **श्री अनंतराय देवशंकर दवे**: क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्ष 1995-96 के दौरान कोयले के उत्पादन के लिये कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) गुजरात सहित अन्य राज्यों की कोयले की मांग को किस सीमा तक पूरा किये जाने की संभावना है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) जी, हां।

(ख) योजना आयोग द्वारा वर्ष 1995-96 के लिये समग्र अखिल भारतीय कोयले का उत्पादन लक्ष्य 274.50 मिलियन टन निर्धारित किया गया है। कंपनी-वार उत्पादन ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

(मिलियन टन में)

कोल इंडिया लि०	241.00
सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि०	28.00
अन्य	5.50
जोड़ :	274.50

(ग) कोयले की मांग राज्यवार निर्धारित नहीं की जाती है। इसका निर्धारण समग्र देश के लिये उद्योग-वार तथा क्षेत्र-वार किया जाता है। कोयले की वर्ष 1995-96 के लिये प्रक्षिप्त अखिल भारतीय मांग 288 मिलियन टन है। मांग तथा उत्पादन के बीच के अंतराल को 7.50 मिलियन टन स्टाक की निकासी करके तथा 6 मिलियन टन कोककर कोयले का आयात करके पूरा किया जाएगा।

Misutilisation of Funds in Super Bazar

756. SHRI GOVIND RAM MIRI: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) whether Government are aware of misutilisation of funds in Super Bazar;

(b) if so, whether the Statutory Audit Department has reviewed the Super Bazar accounts and the working of said organisation particularly of textiles and furniture departments;

(c) if so, whether some objections have been raised in this regard and if so, the details thereof alongwith the measures taken/being taken thereon;

(d) whether the super bazar is incurring huge losses every year; and

(e) if so, the details thereof?